अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 26 मई 2025

PAGE NO : 06 MIDDLE

भाई की याद में मानसी ने खून देकर बचाई सैनिक की जान

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा के प्रेक्षागृह में रविवार को नाटक 'आत्म मंथन' का मंचन किया गया। विनायक श्रीवास्तव निर्देशित नाटक पति-पत्नी और उनके दो बालिग बच्चों मानव और मानसी पर केंद्रित रहा।

मानव सैन्य अधिकारी बनना चाहता है, लेकिन एक दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो जाती है। सदमे से उसके पिता भी मर जाते हैं। पुत्र और पति वियोग में मानसी की मम्मी बीमार हो जाती हैं। मानसी भी तनाव में रहती है। उसे मानव सपने में दिखता है और अपनी जान बचाने के लिए बुलाता रहता है।

मानसी दिल्ली में नौकरी करने लगती है। वह स्टेशन जाती है, मगर ट्रेन लेट होने से वह वेटिंग रूम पहुंचती है। वहां अखबार में किसी सैनिक को बी-निगेटिव ग्रुप के खून की जरूरत संबंधी खबर पढ़ती है। मानसी का ब्लड ग्रुप भी बी निगेटिव है। वह खून देकर उस सैनिक की जान बचाती है।

एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार। स्रोत : संस्था

डॉक्टर से मानसी को पता चलता है कि वो सैनिक लेफ्टिनेंट है और उसका नाम मानव है। मानसी को लगता है कि उसने अपने भाई की जान बचाई है। नाटक यहीं खत्म हो जाता है।

इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार मौजूद रहे।